वर्ष-9 | अंक 13 | 18 नवम्बर से 24 नवम्बर 2024 तक | पृष्ठ-12 | MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

आमंत्रण मुल्य 15/-

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

जल, जंगल और जमीन का अधिकार जनजातीय समाज का है मूल अधिकार : मुख्यमंत्री

भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज को किया खड़ा : मोहन

उदय प्रताप सिंह चौहान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पूरे देश में राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनायी जा रही है। जनजातीय गौरव दिवस इतिहास के एक बहुत बड़े अन्याय को दूर करने का एक ईमानदार प्रयास है। आजादी के बाद जनजातीय वर्ग के योगदान को इतिहास में वह स्थान नहीं दिया गया, जिसके लिये वे हकदार थे। जनजातीय समाज वो है, जिसने राजकुमार राम को भगवान बनाया। भारत की संस्कृति और आजादी के रक्षा के लिये सैकड़ो वर्षों की लड़ाई का नेतृत्व दिया। आजादी के बाद के दशकों में जनजातीय वर्ग के अनमोल योगदान को मिटाने की कोशिश की गई। इसके पीछे स्वार्थ भरी राजनीति थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज के समग्र कल्याण के लिये अनेक योजनाएँ संचालित कर उनके आर्थिक और सामाजिक विकास का कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर बिहार जिले के जमुई में आयोजित राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस पर संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती पर 6 हजार करोड़ रूपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया है। इसमें जनजातीय वर्ग के बच्चों के भविष्य को संवारने वाले स्कूल और हॉस्टल, जनजातीय वर्ग की महिलाओं के लिये स्वास्थ्य सुविधा, जनजातीय क्षेत्रों को जोड़ने वाली सैकड़ों किलोमीटर की सड़कें, जनजातीय वर्ग की संस्कृति को समर्पित संग्रहालय एवं जनजातीय वर्ग के डेढ़ लाख परिवारों को पक्के घर के स्वीकृति पत्र वितरित किये गये हैं। साथ ही आज देव दीपावली के दिन 11 हजार से अधिक जनजातीय परिवारों को अपने घर में प्रवेश कराया गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के छिन्दवाड़ा के श्री बादल भोई जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय एवं जबलपुर के राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह स्वंतत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का वर्चुअली लोकापर्ण किया। मध्यप्रदेश के शहडोल जिला मुख्यालय पर आयोजित राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह में

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल, सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, अध्यक्ष कोल विकास प्राधिकरण श्री रामलाल रोतेल सहित जन-प्रतिनिधि मौजूद रहे। राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन कर किया। अतिथियों का स्वागत जनजातीय परंपरा अनुसार किया गया।

जनजातीय कल्याण के लिये राज्य सरकार कर रही है बेहतरीन कार्य: राज्यपाल

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सम्पूर्ण देश में जनजातीय कल्याण के अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। पीएम जन मन योजना और सिकल सैल उन्मूलन मिशन, जनजाति कल्याण का महाभियान है। इस महाभियान में राज्य सरकार द्वारा जनजाति कल्याण के बेहतरीन कार्य किए जा रहे हैं। अनेक विभागों के माध्यम से अति पिछड़ी जनजातियों को विकास की मुख्यधारा में लाने के कारगर प्रयास लगातार जारी है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सैल उन्मूलन मिशन का संकल्प मध्यप्रदेश की धरती से लिया जाना प्रदेश के लिए सौभाग्य की बात है। केंद्र और राज्य सरकार के द्वारा सिकल सैल उन्मूलन की दिशा में जाँच और जागरूकता के कार्य सघन स्तर पर किए जा रहे हैं। प्रदेश में अब तक 82 लाख लोगों की सिकलसेल स्क्रीनिंग पूर्ण हो गई है। राज्यपाल श्री पटेल ने शहडोल ज़िले के सिकल सैल जाँच कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को सिकल सैल कार्ड वितरण का कार्य जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सैल से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय, इस रोग के प्रति जागरूकता ही है। उन्होंने कहा कि शादी के पूर्व लड़का-लड़की सिकल सैल कार्ड का मिलान ज़रूर करें। उन्होंने कहा कि गर्भधारण के दौरान और जन्म के बाद भी बच्चे के सिकल सैल की जाँच ज़रूर कराएं। राज्यपाल श्री पटेल ने सभी से आह्वान किया कि सिकल सैल की जाँच और जागरूकता हम सभी की सामूहिक ज़िम्मेदारी है। राज्यपाल श्री पटेल ने भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती पर उनका नमन किया और प्रदेश एवं देश के महान क्रांतिकारी, जनजातीय सपूतों का पुण्य स्मरण भी किया। उन्होंने जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा जबलपुर और छिंदवाड़ा के जनजातीय संग्रहालय के लोकार्पण के प्रति आभार ज्ञापित किया।

जल, जंगल और जमीन का अधिकार जनजातीय समाज का है मूल अधिकार - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल, जंगल और जमीन का अधिकार जनजातीय समाज का मूल अधिकार है। इसे अंग्रेज उनसे छीनना चाहते थे। भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के अत्याचार, अनाचार के खिलाफ जनजातीय समाज को खड़ा किया और अंग्रेजों के खिलाफ दो स्तरों पर लड़ाई लड़ी। एक ओर उन्होंने जनजातीय समाज के मूल अधिकार की रक्षा की और दूसरी ओर ईसाई मिशनरियों द्वारा हमारे धर्म के साथ छेड़छाड़ कर हमारे जनजातीय भाइयों को ईसाई बनाने के कुत्सित प्रयासों को ध्वस्त किया। आज हम भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें हृदय से स्मरण और नमन करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को देश के समक्ष लाने का अभियान चलाया है। उन्होंने प्रतिवर्ष देश भर में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाने का निर्णय मध्यप्रदेश में ही लिया। आज पूरे देश में भगवान बिरसा मुंडा जयंती मनाई जा रही है। भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हम सबके लिए मार्गदर्शक है।

रहली विधानसभा अंतर्गत पंडलपुर में प्रतिवर्षानुसार कार्तिक दसवीं को माँ महालक्ष्मी की महाआरती का आयोजन किया जाता है, आज माता महालक्ष्मी जी की आरती में सम्मिलित होकर क्षेत्रवासियों के समृद्धि हेतु आरती एवं प्रार्थना की।
गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

आईपी एड्रेस से ठगों तक पहुंची भोपाल पुलिस

भोपाल ब्यूरो

भोपाल के गायत्री नगर में रहने वाले फील्ड इंजीनियर प्रमोद कुमार को उनके ही घर में डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 6 घंटे तक बंधक बनाने के मामले में पुलिस कानपुर देहात स्थित उनके गांव पहुंच गई। वहां 2 दिनों से डेरा डाले हुए है। पुलिस ने संदेह के आधार पर दो युवकों को हिरासत में लिया है, जबकि एक की तलाश में जुटी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गांव के अन्य लोग बड़ी संख्या में ऑनलाइन ठगी करने वाले नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। भोपाल साइबर क्राइम ब्रांच ने डिजिटल अरेस्ट के इस मामले में अलग-अलग नंबरों के आधार पर तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा ने बताया-

आरोपियों के गांव में उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। आरोपियों ने इंजीनियर को धमकाने के लिए जिन तीन नंबरों का इस्तेमाल किया, वे सभी नंबर बंद हैं।

ऐसे आरोपियों तक पहुंची पुलिस

बुधवार दोपहर तक आरोपियों ने इंजीनियर प्रमोद कुमार को डिजिटल अरेस्ट कर 3.50 लाख रुपए की मांग की। इसी दौरान पुलिस ने आईपी एड्रेस के आधार पर उनकी लोकेशन ट्रेस कर ली थी। कानपुर पुलिस को भी तुरंत इस मामले का इनपुट दिया गया। हालांकि, पुलिस की दबिश से पहले ही आरोपी फरार हो चुके थे, और उनका नंबर तब से बंद है। हालांकि दो संदेहियों से पूछताछ की जा रही है, जबकि एक अन्य की तलाश जारी है। पुलिस ने कानपुर देहात स्थित आरोपियों के गांव में रहने वाले एक दर्जन से अधिक लोगों से भी दो दिनों में पूछताछ की हैं।

मोबाइल में किसका कॉल आ रहा, यह तक उन्हें पता था

इंजीनियर प्रमोद कुमार ने बताया कि उन्हें एक कॉल आया, जिसमें कॉलर ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया। कॉलर ने कहा कि उनके नंबर से अलग-अलग लोगों को कॉल कर फिरौती मांगी जा रही है और उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। उसने उनका पता कन्फर्म कराया और मोबाइल पर आ रही वेटिंग कॉल के बारे में भी पूछा। कॉलर ने वेटिंग कॉल करने वाले का नाम भी बताया। इंजीनियर ने कहा, मैं घबरा चुका था कि मेरे मोबाइल पर आ रही कॉल्स को भी पुलिस देख रही है। इतना ही नहीं, उन्होंने मेरे फोन में मौजूद दूसरी चीजों के बारे में भी बताया।

आरोपी बोले- गिरफ्तारी से बचना है, तो निगरानी में रहो

प्रमोद कुमार ने बताया कि इस दौरान उन्होंने अपने यूपीआई ऐप्स डिलीट कर दिए। घबराहट में उनके हाथ-पैर कांपने लगे और दिल की धड़कन तेज हो गई। तभी एक आरोपी ने कहा कि अगर गिरफ्तारी से बचना है, तो डिजिटल निगरानी में रहना होगा। उसने कहा, भले आदमी लगते हो, इसलिए हम आपके केस की जांच करेंगे। इसके बाद ही तय होगा कि आगे आपका क्या करना है। एक अन्य आरोपी, जिसने वर्दी पहनी हुई थी, उसने कहा कि केस से बचने के लिए खर्च करना होगा। यह सुनकर इंजीनियर ने रात 11:30 बजे कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया और फिर आरोपियों के कॉल पिक नहीं किए। उन्होंने बाद में वॉट्सऐप पर भी दो कॉल किए।

बेडरूम में साड़ी के फंदे पर लटकी मिली नवविवाहिता

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में आरपीएफ जवान की पत्नी ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। महिला की मौत की सूचना उसकी ननद ने पिता को कॉल पर दी। पिता रिश्तेदारों के साथ बेटी के ससुराल पहुंचे तो गेट खुले मिले। पति समेत पूरा परिवार फरार हो चुका था। 10 महीने पहले ही दोनों की शादी हुई थी। घटना बजरिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात की है। पिता ने दामाद और ससुरालवालों पर दहेज के लिए बेटी को प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। शनिवार दोपहर को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

वैलेंटाइन-डे के दिन की थी शादी

कृतिका मंडराई पति सुशील कुमार मंडराई (25) द्वारका नगर स्थित ससुराल में रहती थी। वह कॉम्पिटेटिव एग्जाम्स की तैयारी कर रही थी। उसके पिता विश्नुप्रसाद

ग्वाले ने बताया कि बेटी की शादी इसी साल 14 फरवरी को हुई थी। दामाद आरपीएफ जवान है और इन दिनों मुंबई में उसकी पोस्टिंग है। गुरुवार को ही वह घर लौटा था। शादी में बेटी को जरूरत का सभी सामान और दामाद की पसंद से बुलेट बाइक दी थी। इसके बाद भी दामाद शादी के बाद से ही दहेज में कार और महंगा प्लाट देने की मांग को लेकर बेटी को प्रताड़ित करता था।

सास-ससुर भी दहेज के लिए परेशान करते थे

कृतिका ने पिता ने बताया कि उसके सास और ससुर भी उसे तानाकशी करते थे। ससुराल वालों का कहना था कि दूसरी लड़की के परिजन शादी के लिए बीस लाख रुपए देने के तैयार थे। इसके बाद भी उन्होंने कृतिका से शादी की। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात को कृतिका की ननद ने उन्हें कॉल कर बेटी की सुसाइड की जानकारी दी थी। जब वह मौके पर पहुंचे तो घर के गेट खुले थे, ससुराल पक्ष से कोई भी वहां मौजूद नहीं था। अंदर बेडरुम में बेटी का शव साड़ी से बने फंदे पर लटका हुआ था। हमने ही घटना की जानकारी पुलिस को दी थी।

साथ रखने को राजी नहीं था पति

कृतिका का पति मुंबई में अकेला रहता है। कई बार कहने के बाद भी वह कृतिका को वहां साथ रखने के लिए राजी नहीं था। आए दिन दूसरी लड़कियों के किस्से सुनाता था कि वह महंगा दहेज देकर उससे शादी करने के लिए राजी थी। दोनों के बीच इसी बात को लेकर कई बार वॉट्सऐप पर भी चैट हुई। जिसके स्क्रीन शॉट्स मृतक के पिता के पास सुरक्षित हैं।

सुसाइड नोट नही मिला, जांच जारी

इस पूरे मामले में टी जितेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के सही कारणों का खुलासा नहीं हो सकता है। परिजनों ने दहेज के लिए प्रताड़ित करने के आरोप लगाए। डिटेल बयानों के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

झारखण्ड की जनता एक स्वर में भाजपा की प्रचंड विजय का उद्घोष कर रही है, यह उत्साह बता रहा है कि बेरमो विधान सभा क्षेत्र के हर बूथ पर सुशासन और विकास का कमल खिलने जा रहा है।
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

ट्रेन में रंगे हाथ पकड़ाया तो कहा- पुलिस के हवाले मत करना, फिर चाकू मारकर मंगलसूत्र ले भागा

चोर बोला-चोरी नहीं करें तो क्या मर जाएं...

न्यूज क्राइम फाइल

चलती ट्रेन में बैग चुराने की कोशिश कर रहा चोर रंगे हाथ पकड़ा गया। यात्रियों ने उसे पीटा, फिर हाथ बांध दिए। पुलिस को बुलाने की बात उठी तो चोर हाथ जोड़ने लगा। कहा- रोजगार नहीं है। रोजी-रोटी के लिए चोरी नहीं करें तो क्या मर जाएं? बातचीत के बीच ही वह हाथ खोलने में कामयाब हो गया। तुरंत जेब से चाकू निकाला। खुद पर वार करने लगा। एक यात्री रोकने आया तो हमला कर दिया। यात्री की मां बीच-बचाव के लिए बढ़ी तो उनके गले से मंगलसूत्र खींचकर भाग निकला। वारदात 11-12 नवंबर की दरमियानी रात पाटलिपुत्र सुपर एक्सप्रेस में इटारसी और भुसावल के बीच की है। कुछ यात्रियों ने अपने मोबाइल से इसका वीडियो भी बनाया। भुसावल जीआरपी ने एफआईआर दर्ज कर बुधवार रात को केस डायरी इटारसी जीआरपी को ट्रांसफर की है। चोर की तलाश में पोस्टर छपवाए गए हैं।

बैग उठाते ही यात्री ने पकड़ा

पुलिस के मुताबिक, राकेश जायसवाल मुंबई के धोबी घाट इलाके में वेल्डिंग का काम करते

हैं। 11 नवंबर को अपनी मां, पत्नी और बच्चों के साथ पंडित दीनदयाल रेलवे स्टेशन से मुंबई की यात्रा कर रहे थे। पाटलिपुत्र सुपर एक्सप्रेस के स्लीपर कोच एस 1 में रिजर्वेशन था। ट्रेन इटारसी से छूटे आधा घंटा हो गया था। यात्री नींद में थे। इसी दौरान चोर ने राकेश जायसवाल का बैग उठाने की कोशिश की। उनकी नींद खुल गई। उन्होंने शोर मचाया। दूसरे यात्रियों ने चोर को पकड़ लिया। उसकी पिटाई की। फिर उसकी शर्ट उतारकर उसी से हाथ बांधकर नीचे बैठा दिया।

चाकू निकालकर किया यात्री पर हमला

सवाल-जवाब के बीच यात्रियों ने चोर को फिर थप्पड़ मारे। इससे उसका विग उतर गया। खींचातानी में चोर ने अपने हाथ खोल लिए। फिर चाकू निकालकर खुद को मारने लगा। ये देखकर सभी यात्री उससे दूर हो गए। राकेश उसे रोकने के आगे बढ़े तो उन पर चाकू चलाने लगा। फिर उनकी मां का मंगलसूत्र गले से खींच लिया और चाकू दिखाते हुए भाग गया। ट्रेन के भुसावल पहुंचने पर यात्रियों ने जीआरपी को मंगलसूत्र चोरी और चाकूबाजी की शिकायत की।

थानों में सर्कुलेट किए चोर के पोस्टर

इटारसी जीआरपी थाना प्रभारी आरएस चौहान ने कहा- वारदात के वीडियो और चोर के फोटो देशभर के अन्य थानों को भेज दिए हैं। जिस भाषा में चोर बात कर रहा था, वह जबलपुर-सतना से लेकर इलाहाबाद तक बोली जाती है। जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा।

पेट में घुसा एयरगन का छर्रा, नाबालिग की मौत

दो युवक पक्षी पर लगा रहे थे निशाना; परिजनों का डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

न्यूज क्राइम फाइल

छतरपुर जिले में एक नाबालिग की एयर गन का छर्रा लगने से मौत हो गई। वह तालाब किनारे खेल रहा था। इसी दौरान वहां दो युवक एयरगन से बगुले पर निशाना लगा रहे थे। एयरगन का एक छर्रा नाबालिग के पेट में घुस गया। उसकी मौत हो गई। घटना बिजावर में शुक्रवार शाम की है। जेल मोहल्ला में रहने वाला नोनेलाल पिता घनश्याम कुशवाह (16) शाम 4 बजे तालाब किनारे खेलने गया था। पुलिस ने देर रात दोनों आरोपी युवकों रोहित खान और लालू को गिरफ्तार कर लिया है।

निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

सूचना मिलते ही परिजन सबसे पहले उसे लेकर बिजावर अस्पताल पहुंचे। यहां से डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बच्चे के चाचा रामस्वरूप कुशवाहा ने आरोप लगाया कि जिला अस्पताल पहुंचने पर उन्हें डॉक्टर नहीं मिले। इसके बाद वे बच्चे को निजी क्लीनिक लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

डॉक्टर पर लापरवाही का लगाया आरोप

बच्चे के परिजन ने निजी अस्पताल के डॉक्टरों राजेश मिश्रा और शाबत अहिरवार पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने जांच के नाम पर घंटों रोके रहा। इसके बाद इलाज करने से मना कर दिया। इसके बाद बच्चे के हम फिर जिला अस्पताल पहुंचे। यहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस को मामले की सूचना दी। एडिशनल एसपी विक्रम सिंह, सिटी कोतवाली अस्पताल पहुंचे और मामले की जांच शुरू की।

जिला अस्पताल पहुंचने से पहले हो गई मौत

जिला अस्पताल के डॉ. आनंद त्रिपाठी ने बताया कि परिजन 16 साल के बच्चे को इलाज के लिए लाए थे। उन्होंने बताया कि पेट में छर्रा लगा है। जांच के दौरान पता चला कि उसकी यहां आने से पहले ही मौत हो चुकी थी।

देश अब कांग्रेस की सच्चाई को भली-भांति जान चुका है। इसलिए अब ज्यादातर राज्यों में कांग्रेस का वजूद खतरे में है। कांग्रेस अपना वजूद बचाने और सत्ता पाने के लिए कुछ भी करेगी। इसलिए कांग्रेस अब समाज में जहर घोलने पर उतर आई है।

वीडी शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष - भाजपा मप्र

आलेख

जनजातीय गौरव को बढ़ावा देने में अग्रणी मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश वह राज्य है, जिसकी पहल पर देश को 'जनजातीय गौरव दिवस' मिला है। यह बात तो हर कोई मानता है कि मध्यप्रदेश की सरकार ने जनजातीय नायकों का गौरव बढ़ाने के लिए उनसे जुड़े स्मारकों का आगे बढ़कर विकास किया है। राजा शंकरशाह और रघुनाथ शाह, रानी कमलापति, रानी दुर्गावती, टंट्या मामा और भीमा नायक से लेकर कई नायकों के योगदान से लोगों को परिचित कराने के उल्लेखनीय कार्य किए हैं। मंडला के मेडिकल कॉलेज का नाम बलिदानी हृदयशाह के नाम पर किया गया। वहीं, छिंडवाड़ा विश्वविद्यालय का नाम 'राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय' किया। हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर 'रानी कमलापति रेलवे स्टेशन' किया गया। जबलपुर में 100 करोड़ की लागत से 'रानी दुर्गावती स्मारक' को विकसित किया जा रहा है। जनजातीय गौरव को बढ़ाने के साथ ही जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए भी मध्यप्रदेश सरकार ने उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। विगत 20 वर्षों में जनजातीय योजनाओं का बजट 1000 प्रतिशत बढ़ा है। मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जहाँ जनजातीय समुदाय के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए पेसा कानून को लागू किया गया है। जनजातीय समुदाय से आनेवाली पहली महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की गरिमामयी उपस्थिति में 15 नवंबर, 2022 को मध्यप्रदेश के 20 जिलों के 89 विकासखंडों को पेसा कानून की सौगात मिली। मध्यप्रदेश के बजट का अध्ययन करें तो ध्यान आएगा कि 2003-04 में जनजातीय कार्य विभाग का बजट 746.60 करोड़ रुपये था। जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं को बजट की कमी का सामना न करना पड़े, इसके लिए भाजपा सरकार ने सबसे पहला काम यही किया कि जनजातीय कार्य विभाग के बजट में लगातार बढ़ोतरी की। वर्ष 2003-04 के मुकाबले वर्ष 2023-24 में जनजातीय कार्य विभाग का बजट 1000 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11,768 करोड़ रुपये का हो गया है। इस बजट का उपयोग जनजातीय वर्गों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, रोजगार एवं अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं के साथ ही विकास कार्यों को गति देने में किया गया है। विद्यार्थियों को शिक्षा के समुचित अवसर एवं आर्थिक सहयोग के साथ ही सरकार की ओर से रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण भी दिलाया जा रहा है। कम्प्युटर कौशल सिखाने के साथ जनजातीय युवाओं को पुलिस और सेना में भर्ती का प्रशिक्षण देने का काम भी मध्यप्रदेश में किया जा रहा है। जनजातीय वर्गों के उत्थान एवं सशक्तिकरण के लिए आहार अनुदान योजना, सिकल सेल उन्मूलन मिशन, मुख्यमंत्री राशन आपके द्वार ग्राम, देवारण?य, अनुसूचित जनजाति ऋण विमुक्ति अधिनियम-2020, मिलेट मिशन, प्रधानमंत्री वन-धन योजना, आकांक्षा योजना, प्रतिभा योजना, आवास सहायता योजना, विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति, प्री एवं पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति, अखिल भारतीय सेवाओं के लिए कोचिंग एवं प्रोत्साहन तथा जनजातीय लोक कलाकृतियों एवं उत्पादों की जीआई टैगिंग जैसे कदम मध्यप्रदेश में उठाए गए हैं। जनजातीय गौरव दिवस पर यह अवश्य याद रखना चाहिए कि अभारतीय ताकतों ने अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र के अंतर्गत जनजातीय समुदाय को भ्रमित करने के लिए 9 अगस्त को 'वर्ल्ड इंडिजिनियस पीपल्स डे' को 'आदिवासी दिवस' कहकर भारत में बढ़ावा दिया गया, जबकि इस दिन का भारत और जनजातीय गौरव के साथ कोई संबंध नहीं है। वास्तव में यह तो दुःखद त्रासदी की शुरुआत का दिन है। ब्रिटिस सेना ने अमेरिका के मूल निवासियों का नरसंहार किया। बाद में, उसके अपराध बोध से मुक्त होने के लिए 'वर्ल्ड इंडिजिनियस पीपल्स डे' (International Day of the World's Indigenous Peoples) के रूप में 9 अगस्त को चुना गया। यहाँ यह भी ध्यान रखें कि वैश्विक षड्यंत्र के अंतर्गत ही 'वर्ल्ड इंडिजिनियस पीपल्स डे' का अनुवाद 'विश्व आदिवासी दिवस' के रूप में किया गया है। वास्तविकता यह है कि संयुक्त राष्ट्र ने अब तक 'इंडिजिनियस पीपल' (indigenous people) की स्पष्ट परिभाषा तक नहीं की है। यही कारण है कि जब 1989 में विश्व मजदूर संगठन द्वारा 'राइट्स ऑफ इंडिजिनस पीपल' कन्वेन्शन क्रमांक-169 घोषित किया गया, तब उसे विश्व के 189 में से केवल 22 देशों ने ही स्वीकार किया। इसका मुख्य कारण 'इंडिजिनस पीपल' शब्द की परिभाषा को स्पष्ट नहीं करना ही था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने भारत माता के महान बेटे बिरसा मुंडा की जयंती (15 नवंबर) को 'जनजाति गौरव दिवस' के रूप में मान्यता देकर प्रशंसनीय कार्य किया है। जनजाति वर्ग के इस बेटे ने भारत की सांस्कृतिक एवं भौगोलिक स्वतंत्रता के लिए महान संघर्ष किया और बलिदान दिया। अपनी धरती की रक्षा के लिए उन्होंने विदेशी ताकतों के साथ जिस ढंग से संघर्ष किया, उसके कारण समूचा जनजाति समाज उन्हें अपना भगवान मानने लगा। उन्हें 'धरती आबा' कहा गया। भगवान बिरसा मुंडा न केवल भारतीय जनजाति समुदाय के प्रेरणास्रोत हैं बल्कि उनका व्यक्तित्व सबको गौरव की अनुभूति कराता है। इसलिए उनकी जयंती सही मायने में 'गौरव दिवस' है। जिस प्रकार भगवान बिरसा मुंडा ने विदेशी ताकतों के षड्यंत्रों से भारत को बचाया, उसी प्रकार उनकी स्मृति में मनाया जानेवाला जनजातीय गौरव दिवस भी हमें वर्तमान में चल रही साजिशों से बचाएगा और भारत के 'स्व' की स्थापना की प्रेरणा देगा।

संपादकीय

बिरसा मुंडा जयंती- आर्य अनार्य के झूठे विमर्श के अवसान का अवसर

बिरसा मुंडा महान क्रांतिकारी थे, जनजातीय समाज को साथ लेकर उलगुलान किया था उन्होने। उलगुलान अर्थात हल्ला बोल, क्रांति का ही एक देशज नाम। वे एक महान संस्कृतिनिष्ठ समाज सुधारक भी थे, वे संगीतज्ञ भी थे जिन्होंने सूखे कद्दू से एक वाद्ययंत्र का भी अविष्कार किया था जो अब भी बड़ा लोकप्रिय है। इसी वाद्ययंत्र को बजाकर वे आत्मिक सुख प्राप्त करते थे व दलित, पीड़ित समाज को संगठित करने का कार्य भी करते थे। ठीक वैसे ही जैसे भगवान श्रीकृष्ण अपनी बंशी से स्वांतः सुख व समाज सुख दोनों ही साध लेते थे। सूखे कद्दू से बना यह वाद्ययंत्र अब भी भारतीय संगीत जगत मे वनक्षेत्रों से लेकर बालीवूड तक बड़ी प्रमुखता से बनाया व बजाया जाता है। वस्तुतः बिरसा मुंडा की मूल कार्यशैली जनजातीय समाज को इसाइयों के धर्मांतरण से बचाने, अत्याचारों से समाज को बचाने, समाज मे व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने व शोषक वर्ग से समाज को बचाने की रही। भारतीय समाज का एक महत्वपूर्ण व अविभाज्य अंग रहा है जनजातीय समाज। मूलतः प्रकृति पूजक यह समाज सदा से भौतिकता, आधुनिकता व धनसंचय से दूर ही रहा है। बिरसा मुंडा भी मूलतः इसी जनजातीय समाज के थे। 卐अबुआ दिशोम रे अबुआ राज卐 अर्थात अपनी धरती अपना राज का नारा दिया था वीर बिरसा मुंडा ने। वीर शिरोमणि बिरसा की जयंती के अवसर बिरसा के राष्ट्र हेतु प्राणोत्सर्ग करने की कहानी पढ़ने के साथ साथ यह भी स्मरण करने का अवसर है कि अब स्वतंत्र भारत मे अर्थात अबुआ दिशोम मे जनजातीय व वनवासी बंधुओं के साथ, उनकी संस्कृति के साथ क्या क्या षड्यंत्र हो रहे हैं? वस्तुतः जनजातीय समाज के समक्ष अब भी बड़ी चुनौतियाँ वैचारिक व सांस्कृतिक स्तर पर लगातार रखी जा रही है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है समूचे भारत मे फैलाया जा रहा आर्य व अनार्य का विघटनकारी वितंडा। तथ्य यह है कि भारत मे जनजातीय समाज व अन्य जातियों की आकर्षक विविधता को विघ्नसंतोषी विघटनकारियों ने आर्य-अनार्य का वितंडा बना दिया। कथित तौर पर आर्य कहे जाने वाले लोग भी भारत मे उतने ही प्राचीन हैं जितने कि अनार्य का दर्जा दे दिये गए जनजातीय समाज के लोग। वस्तुतः वनवासी समाज को अनार्य कहना ही एक अपशब्द की भांति है, क्योंकि आर्य का अर्थ होता है सभ्य व अनार्य का अर्थ होता है असभ्य। सच्चाई यह है कि भारत का यह वनवासी समाज पुरातन काल से ही सभ्यता, संस्कृति, कला, निर्माण, राजनीति, शासन व्यवस्था, उत्पादकता और सबसे बड़ी बात राष्ट्र व समाज को उपादेयता के विषय मे किसी भी शेष समाज के संग कदम से कदम मिलाकर चलता रहा है व अब भी चल रहा है।

आज नागपुर मध्य से कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवार श्री @Buntyshelke_inc जी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। नागपुर की जनता का उत्साह, बंटी शेल्के जी की मेहनत और जनसेवा का प्रमाण है।
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

भोपाल में हाईटेक गोशाला

भोपाल में 10 हजार गोवंश रखे जा सकेंगे; फर्स्ट फेज में 2000 के लिए इंतजाम

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल से 20 किलोमीटर दूर बरखेड़ी अब्दुल्ला में जिले की सबसे बड़ी गोशाला बनेगी। इसमें एक साथ 10 हजार गोवंश रखे जा सकेंगे। इसे लेकर गुरुवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने संबंधित अधिकारियों की मीटिंग की। हाईटेक गोशाला में ही चिकित्सा वार्ड भी बनेगा। यहां गोवंश का इलाज भी हो सकेगा। सीएम डॉ. मोहन यादव जल्द ही गोशाला के लिए भूमि पूजन करेंगे। यह 25 एकड़ में बनेगी। इस गोशाला को हाईटेक बनाया जाएगा। इसमें सीसीटीवी कैमरों सहित वे सभी आवश्यक संसाधन होंगे, जो सुरक्षा की दृष्टि से जरूरी हैं। इसकी लागत 10 करोड़ रुपए आएगी। कलेक्टर ने गोशाला के निर्माण की प्रगति को लेकर बैठक की। उन्होंने कहा, गोशाला का निर्माण तय समय और तीन चरण में पूरा किया जाए।

गो मूत्र - गोबर से खाद बनाने के लिए लगेगी यूनिट

पहले फेज में 2 हजार गायों की क्षमता वाले क्षेत्र का निर्माण तेजी से प्रारंभ करने की योजना बनाई गई है। गोशाला में हरा चारा, भूसा और पशु आहार की सप्लाई के लिए अत्याधुनिक कन्वेयर बेल्ट सिस्टम भी स्थापित किया जाएगा। लगभग 15 करोड़ रुपए से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट और जिला पंचायत गोशाला का निर्माण करेगी। संचालन नगर निगम करेगा। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि गोशाला में गायों

के गोबर और मूत्र से जैविक खाद और अन्य सामग्री तैयार करने के लिए एक यूनिट भी लगाई जाएगी। घायल और बीमार गायों के उपचार के लिए आधुनिक चिकित्सा वार्ड का निर्माण किया जाएगा।

कलेक्टर ने कराया था सर्वे, सड़कों पर मिले थे 5 हजार मवेशी

करीब ढाई महीने पहले कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने एक सर्वे कराया था। इसमें सड़कों पर आवारा मवेशी पाए गए थे। सर्वे में सड़कों पर 200 जगहों पर मवेशियों का डेरा दिखा, जिनकी कुल संख्या 6,000 के करीब थी। अयोध्या बायपास, कोलार रोड, रायसेन रोड, अशोका गार्डन, रातीबड़, नेहरू नगर, कोटरा, बैरागढ़ और हमीदिया रोड पर बड़ी संख्या में मवेशी सड़कों पर नजर आए थे। बारिश के दौरान सड़कों पर मवेशियों की संख्या बढ़ने से नगर निगम की टीमें उन्हें पकड़कर बाहर खदेड़ रही थीं।

निगम के पास पर्याप्त इंतजाम नहीं, इसलिए सड़कों पर मवेशी

भोपाल में 6 से ज्यादा स्थानों पर गोशालाएं हैं, जिनमें कुछ की क्षमता 50 तो कुछ की 100 मवेशियों की है। पूरे शहर से पकड़े गए मवेशियों की किस गोशाला में देखभाल हो रही है, इसकी मॉनिटरिंग नहीं होती। इस वजह से कई बार मवेशी मालिक भी मवेशियों के लिए भटकते रहते हैं। ऐसे में एक ही स्थान पर सभी मवेशियों को रखे जाने से उनका रिकॉर्ड रखना और देखभाल करना आसान हो जाएगा।

भोपाल में 9वीं की छात्रा को धमकाया, बोला परिवार को खत्म कर दूंगा

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में 9वीं कक्षा की छात्रा के साथ से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी बात नहीं करने से नाराज होकर पीड़िता को इंस्टाग्राम पर धमकाता था। गणेश चतुर्थी के दिन वह पीड़िता के घर तलवार लेकर पहुंचा और गेट पर तलवारें मारी। पड़ोस में भी तोड़फोड़ की। तब मामले की शिकायत अरेरा हिल्स थाने में की गई थी। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने उसे कार्रवाई किए बगैर छोड़ दिया था। यही कारण है कि आरोपी ने पीड़िता और परिजनों को दोबारा धमकाना शुरू कर दिया। ऐसे में शुक्रवार को परिजन और बस्ती के लोग एमपी नगर थाने पहुंचे। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई का आश्वासन दिया तब प्रदर्शन नहीं किया गया।

पीड़िता की मां बोली- तबाह करने की धमकी दी

पीड़िता की मां ने बताया कि बेटी 16 वर्ष की है। सरकारी स्कूल में 9वीं कक्षा की पढ़ाई करती है। आरोपी पास की एक बस्ती में रहता है। वह लगातार इंस्टाग्राम पर बेटी को धमकाता है। अश्लील मैसेज करता है। बात करने का दबाव बनाता है। बेटी बात नहीं करती है तो 7 सितंबर 2024 को घर तलवार लेकर आ धमका था। उसने गेट पर तलवार से वार किए थे। मोहल्ले में तोड़फोड़ की थी। मामले की शिकायत अरेरा हिल्स थाने में की थी। तब पुलिस ने उसे हिरासत में लिया लेकिन कुछ ही देर में छोड़ दिया। यही कारण है उसके हौसले बुलंद हो गए। हम लगातार पुलिस से मांग करते रहे कि आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करें लेकिन अरेरा हिल्स पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। इससे आरोपी के हौसले अधिक बुलंद हो गए। उसने खुलेआम धमकाना शुरू कर दिया। इंस्टाग्राम पर स्टेटस लगाकर धमकी दी है कि हमारे परिवार को खत्म कर देगा। बड़ा हंगामा कर देगा।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
संजीव कुमार (ब्यूरो प्रभारी भोपाल) 08224965455
email: newscrimefile@yahoo.com

शिवपुरी से भोपाल जा रहे एक परिवार के 7 सदस्यों की कार ब्यावरा के पास दुर्घटनाग्रस्त होकर खंती में गिर गई थी। वहां से गुजर रहे एक नागरिक वारिस खान ने साहस दिखाते हुए कार का कांच तोड़कर सभी को बाहर सुरक्षित निकालकर जान बचाई। मोहन यादव- सीएम मप्र

आग से पूरे घर का सामान जला; पोटलियों में बांधकर ले जाने पड़े शव

भोपाल में जिंदा जले पति-पत्नी, हड्डियां और राख मिली

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में घर में आग लगने से पति-पत्नी जिंदा जल गए। बिस्तर पर दोनों की हड्डियां और राख मिली। आग से पूरे घर का सामान जल गया। पुलिस को पोटलियों में बांधकर शवों को ले जाना पड़ा। घटना मिसरोद थाना क्षेत्र जाटखेड़ी में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात की है। गुरुवार सुबह पड़ोसियों ने कमरे से धुआं उठते देखा तब मामले का खुलासा हुआ। बिस्तर पर दंपती के शव जली हालत में मिले। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। मृतकों की पहचान सतीश बिराड़े (26) और आमृपाली (24) के तौर पर हुई है। पुलिस का अनुमान है कि दंपती ने आग लगाकर सुसाइड किया होगा। हालांकि पुलिस का यह भी मानना है कि दुर्घटनावश आग लगने से हादसा हुआ होगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

परिवार की पिपलानी में फूलों की है दुकान

सतीश के माता-पिता, भाई-बहन समेत परिवार के अन्य लोग पिपलानी इलाके में फूल बेचने का काम करते हैं। करीब तीन साल पहले सतीश की शादी महाराष्ट्र निवासी आमृपाली से

हुई थी। दोनों की संतान नहीं थी। सतीश और उसके परिवार के सदस्य नई बस्ती में ही पास-पास रहते हैं। शादी के बाद सतीश ने माता-पिता के घर के पास एक कमरे का घर बना लिया था। सतीश अपनी पत्नी के साथ इसी घर में रह रहा था।

पड़ोसी दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे

गुरुवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे पड़ोसियों ने सतीश के कमरे से धुआं उठते देखा और उसके परिजनों को सूचना दी। घर का दरवाजा भीतर से बंद था, जिसे तोड़कर अंदर गए तो बिस्तर पर सतीश और आमृपाली के शव बुरी तरह से झुलसे हुए पड़े थे। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मनीषराज सिंह भदोरिया व अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे।

घर का सामान भी जलकर खाक हुआ

पुलिस ने बताया कि आगजनी में घर में रखे फ्रिज, कूलर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान समेत गृहस्थी का पूरा सामान जलकर खाक हो गया। जिस सिंगल बेड (पेटीनुमा दीवान) पर सतीश और आमृपाली सो रहे थे, उसका प्लाईबोर्ड भी पूरी तरह जलकर राख हो गया था। प्लाईबोर्ड जलने से दंपती के शव दीवान की पेटी में रखे बर्तनों पर जा गिरे। शव सोती हालत में पाए गए।

तीन साल पहले हुई थी शादी

सतीश और आम्रपाली की शादी को करीब तीन साल हो चुके थे, लेकिन उनकी कोई संतान नहीं थी। इन दिनों सतीश की अपने माता-पिता से अनबन चल रही थी। इसके कारण उनकी बातचीत कुछ दिनों से बंद थी। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात कब आगजनी की घटना हुई, इसकी भनक पड़ोस में रह रहे माता-पिता को भी नहीं लगी।

पुलिस ने कहा-पोटलियों में ले जाने पड़े शव

पुलिस ने बताया कि पति-पत्नी के शव बहुत बुरी हालत में जले हुए मिले हैं। शरीर से मांस पूरी तरह गायब हो गया है, केवल हड्डियां और राख बची है। दोनों को कपड़ों की दो पोटलियों में बांधकर जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि बिस्तर के पास ऐसी कौन-सी वस्तु थी जिससे आग फैल गई।

सौजन्य भेंट

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने विधानसभा चुनाव के निमित्त महाराष्ट्र प्रवास के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता, उप मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस जी से सौजन्य भेंट की। एवं उनसे चुनाव संबंधी विषयों और आगामी रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा भी की।

माझी लाडकी बहिन जैसी योजनाओं का विरोध करने वाली कांग्रेस और अघाड़ी वालों को मौका ना मिले, ये महाराष्ट्र की हमारी माताओं-बहनों की विशेष जिम्मेदारी है।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 29 रन से पहला टी-20 हराया

बारिश के कारण 7-7 ओवर का मैच हुआ

न्यूज क्राइम फाइल

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच टी-20 सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण 7-7 ओवर का हुआ। ब्रिसबेन में गुरुवार को पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट खोकर 93 रन बनाए। पाकिस्तान 9 विकेट खोकर 64 रन ही बना सका। ऑस्ट्रेलिया से नाथन एलिस और जैवियर बार्टलेट ने 3-3 विकेट लिए। ग्लेन मैक्सवेल ने 19 बॉल पर 43 और मार्कस स्टोयनिस ने 7 बॉल पर 21 रन बनाए। पाकिस्तान से अब्बास अफरीदी ने 2 विकेट लिए। पहला टी-20 जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा मैच 16 नवंबर को सिडनी में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले ओवर से अटैक किया

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम ने पहले ओवर में 16 रन बना दिए। जैक फ्रेजर-मैगर्क 9 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद उतरे ग्लेन मैक्सवेल ने तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी रिवर्स स्वीप लगाए। उन्होंने टी-20 क्रिकेट में 10 हजार रन भी पूरे कर लिए।

मैक्सवेल ने 3 छक्के लगाए

पावरप्ले के 2 ओवरों में 33 रन बनाने के बाद भी ऑस्ट्रेलिया ने तेजी से रन बनाए। मैथ्यू शॉर्ट 7 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन मैक्सवेल ने 19 गेंद पर 5 चौके और 3 छक्के लगाकर 43 रन बना दिए। उनके बाद टिम डेविड ने 10 और स्टोयनिस ने 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने 4 ही विकेट गंवाकर 7 ओवर में 93 रन बना दिए। पाकिस्तान से अब्बास अफरीदी ने 2 विकेट लिए। 1-1 विकेट नसीम शाह और हारिस रऊफ को मिला।

पाकिस्तान की खराब शुरुआत

पाकिस्तान ने 94 रन के टारगेट के सामने शुरुआती 2 गेंदों पर चौके लगाए। इस ओवर में स्पेंसर जॉनसन ने शाहिबजादा फरहान को कैच आउट करा दिया। फरहान ने 8 रन बनाए। उनके बाद बाबर आजम 3, उस्मान खान 4, आगा सलमान 4 और हसीबुल्लाह खान 12 रन बनाकर आउट हो गए।

रिलायंस का मार्केट कैप 17 लाख करोड़ से ज्यादा

डिज्नी स्टार इंडिया और रिलायंस हुए एक

न्यूज क्राइम फाइल

डिज्नी स्टार इंडिया और रिलायंस का वॉयकॉम-18 अब एक हो गए हैं। इसमें डिज्नी हॉटस्टार और जियो सिनेमा भी शामिल है। इन दोनों कंपनियों ने गुरुवार, 14 नवंबर को इसका ऐलान किया। इस मर्जर के बाद ये देश का सबसे बड़ा एंटरटेनमेंट नेटवर्क बन गया है। डिज्नी-रिलायंस एंटरटेनमेंट के पास अब 2 ओवर द टॉप यानी, OTT और 120 चैनल के साथ 75 करोड़ दर्शक हो गए हैं। रिलायंस ने इस जॉइंट वेंचर के लिए 11,500 करोड़ रुपए का निवेश किया है। मर्जर की प्रोसेस बीते करीब एक साल से चल रही थी। दोनों कंपनियों ने कहा- ये डील 70,352 करोड़ रुपए में हुई है। मर्जर के बाद बनी कंपनी में रिलायंस की 63.16% और डिज्नी की 36.84% हिस्सेदारी होगी। इस नई कंपनी की चेयरपर्सन नीता अंबानी होंगी। वाइस चेयरपर्सन उदय शंकर होंगे। ये कंपनी को स्ट्रैटेजिक गाइडेंस देंगे।

बिजनेस को तीन सीईओ लीड करेंगे

इस जॉइंट वेंचर को तीन सीईओ लीड करेंगे। तीनों ही अलग-अलग वर्टिकल की जिम्मेदारी संभालेंगे। केविन वाज़ एंटरटेनमेंट ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख होंगे। किरण मणि डिजिटल ऑर्गनाइजेशन की जिम्मेदारी संभालेंगे। संजोग गुप्ता स्पोर्ट ऑर्गनाइजेशन को लीड करेंगे। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा, इस जॉइंट वेंचर के साथ, इंडियन मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री एक ट्रांसफॉर्मेशनल एरा में प्रवेश कर रही

है। मैं जॉइंट वेंचर के भविष्य को लेकर बहुत उत्साहित हूं और इसकी कामयाबी की कामना करता हूं।

जॉइंट वेंचर के पास 2 डिजिटल प्लेटफार्म

इस मेगा मर्जर में डिज्नी स्टार के 80 चैनल और रिलायंस वायकॉम 18 के 40 चैनल जुड़ जाएंगे। यानी, कुल 120 चैनल हो जाएंगे। हालांकि इनमें से कुछ चैनल्स को बंद किया जा सकता है। दोनों के पास ह्रञ्ज ऐप भी है- डिज्नी हॉटस्टार और जियो सिनेमा वायाकॉम 18 के पास BCCI मैनेज्ड क्रिकेट मैचों के टीवी अधिकार भी हैं, जबकि डिज्नी स्टार के पास 2027 तक ड्डष्ष् ब्रॉडकास्ट करने के टीवी अधिकार हैं। वहीं रिलायंस के पास उसके ह्रञ्ज प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर IPL दिखाने के अधिकार हैं। रिलायंस के न्यूज चैनल्स इस डील का हिस्सा नहीं होंगे, क्योंकि वो नेटवर्क 18 ग्रुप के तहत आते हैं। जॉइंट वेंचर को 30,000 से अधिक डिज्नी कंटेंट एसेट के लाइसेंस के साथ भारत में डिज्नी फिल्मों और प्रोडक्शन को डिस्ट्रीब्यूट करने के एक्सक्लूसिव राइट भी दिए जाएंगे। इस जॉइंट वेंचर का वित्त वर्ष 2024 में 26,000 करोड़ का रेवेन्यू रहा। जॉइंट वेंचर सालाना 30,000+ घंटे टीवी कंटेंट तैयार करता है। जियोसिनेमा और हॉटस्टार डिजिटल प्लेटफॉर्म के 5 करोड़ सब्सक्राइबर्स हैं।

नए OTT ऐप का नाम जियो स्टार हो सकता है

रिलायंस ने मर्जर से पहले JioStar.com नाम से डोमेन भी रजिस्टर करा लिया है। आने वाले दिनों में जियो सिनेमा और हॉटस्टार एप को कंबाइन किया जा सकता है, जिसका नाम JioStar होगा। हालांकि, कंपनी ने ऑफिशियल तौर पर इसकी जानकारी नहीं दी है।

रिलायंस का मार्केट कैप 17 लाख करोड़ से ज्यादा

रिलायंस भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट सेक्टर कंपनियों में से एक है। इसका मार्केट कैप 17,15,498.91 करोड़ है। रिलायंस अभी हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन और प्रोडक्शन, पेट्रोलियम रिफाइनिंग और मार्केटिंग, पेट्रोकेमिकल्स, एडवांस मटेरियल और कंपोजिट, रिन्यूएबल एनर्जी (सोलर और हाइड्रोजन), डिजिटल सर्विस और रिटेल सेक्टर में काम करती है।

जनजातीय गौरव के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती को मोदी सरकार इस वर्ष 150वें जयंती वर्ष के रूप में मना रही है। इस अवसर पर कल नई दिल्ली में उनकी प्रतिमा का अनावरण करूँगा।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

उल्लू और उल्टे पंख के मुर्गे लाओ, धनवान बना दूंगा

ढोंगी बाबा ने व्यापारी से लेकर मजदूरों तक को ठगा; काले जादू की धमकी दी

न्यूज क्राइम फाइल

5 उल्लू, 10 उल्टे पंख वाले मुर्गे और गोरोचन से लोगों को धनवान बनाने वाला करोड़पति बाबा और उसका बेटा फरार हैं। दोनों तंत्र क्रिया से जमीन में गड़ा धन निकालने का लालच देकर लाखों रुपए का फ्रॉड कर चुके हैं। मजदूरों से लेकर व्यापारियों तक को अपना निशाना बनाया है। आरोपी बाबा पूजा-पाठ कर लोगों के घरों पर खुदाई कराता था। खुदाई में एक बर्तन निकालता था, जिसमें धन होने का दावा कर खास मुहूर्त में खुलवाने का झांसा देता था। अलग-अलग पूजाएं करने के नाम पर लोगों से पैसे ऐंठता रहता था। ज्यादा समय होने पर जब लोग उससे पैसे वापस मांगते तो वह झूठे केस में फंसाने की धमकी देता और चेक बाउंस जैसे नोटिस भिजवाने लगता था। काला जादू करके मरवाने की बात भी कहता। ठगी का शिकार हुए कुछ पीड़ित पुलिस के पास पहुंचे और शिकायत की। पुलिस ने एक मामले में प्रकरण दर्ज किया तो 18 अन्य पीड़ित भी थाने पहुंच गए।

फ्रॉड करके बंगला बनाया, खरीदी कार

आरोपी बाबा देवी सिंह रजक 38 साल का है। पथरिया का रहने वाला देवी मध्यमवर्गीय परिवार से है। वह शुरू से ही पूजा-पाठ करता था। 6-7 साल पहले सागर के सिविल लाइन रोड पर गोलगप्पे और चाऊमीन की दुकान शुरू की थी। कोरोनाकाल के बाद पथरिया शिफ्ट हो गया। यहां ओजस्वनी कॉलेज के सामने किराए

की दुकान में चाऊमीन की दुकान शुरू की। 2020 में अचानक देवी सिंह ने एक कॉलोनी में आलीशान मकान बनवाया। कार खरीदी। उसका रहन-सहन बदल गया। यह देख गांव के लोग भी हैरान थे।

गड़े धन के नाम पर करता था ठगी

सागर के बल्लभ नगर वार्ड में रहने वाले दीपेश पिता गनेश प्रसाद सेन ने सिविल लाइन थाने में शिकायती आवेदन दिया। जिसमें बताया, %मैं बिजली विभाग में ठेकेदारी का काम करता था। फिलहाल, सिंधी कैंप में चाट का ठेला लगाता हूं। आर्थिक रूप से परेशान होने की बात ऋषभ रजक को बताई थी। ऋषभ ने मुझसे कहा- मैं तुम्हें एक व्यक्ति से मिलवाता हूं, जो तुम्हारी सारी परेशानी हल कर देगा। उसने मुझे दिसंबर 2023 में देवी सिंह रजक से मिलवाया। देवी अपने घर में दिवाला (पूजा-पाठ करने का स्थान) बनाए था। उसे मैंने पैसों

की तंगी की समस्या बताई और हल पूछा। उसने मुझे 4 लौंग दीं। कहा- एक लौंग तत्काल खा लो। मैंने लौंग खा ली, जिससे मेरा सिर चकराने लगा और शरीर सुस्त पड़ गया। उसने बताया कि उसके बेटे कृष्णा रजक को कजरी लगती है, जिससे गड़े धन का पता करके उसे निकाल लेते हैं। जनवरी 2024 में एक रात करीब 9 बजे देवी सिंह रजक और उसके 18 वर्षीय बेटे कृष्णा ने मुझे, मेरे मित्र दिनेश पटेल और गंगा अहिरवार को खुरई रोड पर बुलाया। यहां प्रसाद में मिठाई खाने को दी। इसे खाकर हम तीनों सुध-बुध खो बैठे। यहां फिर मेरे मकान में खुदाई कर गड़ा धन निकालने की बात कही।

पिकअप वाहन बेचकर दिए रुपए

दीपेश ने बताया, %एक दिन देवी सिंह ने मुझे गुंड सौंपी और बोला- इसे घर ले जाओ। इसे खोलना नहीं। अभी मुझे वैष्णो देवी दर्शन के लिए जाना है। मैं लौटकर तुम्हारी सारी समस्याएं हल कर दूंगा। लौटकर मुझसे मिला और बोला- कुछ दिन रुकना पड़ेगा। अभी गुंड नहीं खोलना। इस बीच पूजा-पाठ के नाम पर उसने मुझसे 10.95 लाख रुपए ऐंठ लिए। मैंने पिकअप वाहन बेचकर रुपए देवी को दिए थे। बार-बार ऐसा बोलने पर मुझे शक हुआ। घरवालों के कहने पर मैंने गुंड खोली तो उसमें कुछ जेवर निकले।

धीरेन्द्र शास्त्री बोले- हिंदू तुम्हारी मस्जिदों में घुसे तो जूते मारो

न्यूज क्राइम फाइल

बागेश्वर धाम के कथावाचक पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे और प्रधानमंत्री मोदी के एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि हम भारतीय आपस में बंटेंगे तो चीन वाले हमको काटेंगे, पाकिस्तान वाले हम लोगों को काटेंगे। वहीं कुंभ में गैर हिंदुओं को एंट्री नहीं देने के अपने बयान पर भी धीरेन्द्र शास्त्री कायम है। उन्होंने कहा- हमने बिल्कुल कहा है कि मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है। तुम हमारे यहां जाकर क्या करोगे? धंधा करके मूत्र कांड करोगे? थूक कांड करोगे। धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा- हम तुम्हारी मस्जिदों में नहीं घुसते, तुम हमारे यहां क्यों आओगे? हमारे हिंदू तुम्हारी मस्जिदों में घुसे तो जूते मारो। धीरेन्द्र शास्त्री शुक्रवार को भोपाल में भाजपा विधायक संजय पाठक के निवास पर पहुंचे थे। यहां उन्होंने मीडिया से बात की। उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान नहीं भेजने के बीसीसीआई के फैसले पर कहा कि यह सही फैसला है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कंगाल देश है वहां जाकर क्या करेंगे? वह भिखमंगा देश है।

हम भारतीयों को बंटना नहीं है। अगर बंटेंगे तो सच में कटेंगे

पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे वाले बयान पर कहा कि राजनीतिक दृष्टि से वह गलत है। लेकिन, सामाजिक दृष्टि से देखा जाए तो भारत के लोग अगर बंटेंगे तो चीन वाले काटेंगे।

धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा- किसी भी राजनेता के ऊपर आज तक हमने टिप्पणियां नहीं की हैं। ना कोई जवाब दिया है। ये हमारे स्वभाव में है, क्योंकि हमारा रास्ता आध्यात्मिक रास्ता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने महात्मा होने और कट्टर हिंदू होने के नाते नारा दिया तो यह बहुत अच्छा दिया है। लोगों ने अपनी-अपनी दृष्टि से देखा, लेकिन हमने इसको ऐसे देखा कि अगर हम भारतीय आपस में बंटेंगे तो, चीन वाले हमको काटेंगे, पाकिस्तान वाले हम लोगों को काटेंगे। हम लोगों को विदेशी ताकते काटेंगी।

धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा- भारत के प्रधानमंत्री ने कहा है कि हम एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। अगर पॉलिटिकल बयान पर कहें तो इस पर हमारी कोई टिप्पणी नहीं है। लेकिन हिंदुस्तानी होने के नाते हमारी यह टिप्पणी हैं कि हम भारतीयों को बंटना नहीं है। अगर बंटेंगे तो सच में कटेंगे। हम तुम्हारी मस्जिदों में नहीं घुसते, तुम हमारे यहां क्यों आओगे कुंभ में गैर हिंदुओं को एंट्री नहीं देने के अपने बयान पर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- हमने बिल्कुल कहा है कि मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है। मक्का मदीना में हमें नहीं बुलाया जाता।

पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

भोपाल डिप्टी कलेक्टर राजेश सोरते पर रेप का केस दर्ज

राजगढ़ की महिला ने लगाए थे आरोप; 13 घंटे पूछताछ के बाद देर रात एफआईआर

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ डिप्टी कलेक्टर राजेश सोरते के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया गया है। राजगढ़ जिले के पचोर थाने में महिला ने उनके खिलाफ शिकायत की थी। इससे पहले, बुधवार को ई-एफआईआर कराई गई थी। गुरुवार को पुलिस ने महिला से करीब 13 घंटे तक पूछताछ की। इसके बाद रात करीब 10:50 बजे अफसर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया। पीड़ित महिला भी कर्मचारी है। इससे पहले 25 अक्टूबर को महिला ने पचोर थाने में शिकायत की थी। पुलिस ने मामला जांच में लिया था। 19 दिन बाद भी केस दर्ज नहीं होने पर मंगलवार को पीड़ित ने पोर्टल पर ई-एफआईआर दर्ज कराई। गुरुवार सुबह करीब 9 बजे पुलिस ने महिला को थाने बुलाया। यहां एसआई राहुल सेंधव ने उनसे दोपहर डेढ़ बजे तक पूछताछ की। शाम 5 बजे से सारंगपुर की लेडी एसआई गुंजा जमादार को महिला ने वीडियो-फोटो सौंपे। पीड़ित महिला को मेडिकल के लिए सारंगपुर ले जाया गया है।

सारंगपुर एसडीओपी अरविंद सिंह ने बताया कि

आरोपी डिप्टी कलेक्टर राजेश सोरते भोपाल कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ है। मामले की बारीकी से जांच में पाया कि आरोपी ने महिला को शादी का झांसा देकर संबंध बनाए।

तहसीलदार अपने चैंबर में बार-बार बुलाते थे

पीड़ित महिला ने बताया कि 24 साल पहले शादी हुई थी। एक बेटा भी है। साल 2014 में पति की मौत के छह साल बाद अनुकंपा नियुक्ति मिली। 2022 में राजेश सोरते ने बतौर तहसीलदार जॉइन किया। कुछ दिन तो ठीक-ठाक चला। बाद में तहसीलदार अपने चैंबर में मुझे बार-बार बुलाते थे। वह बुलाने का बहाना ढूंढते थे। एक रात में मुझे कॉल किया। मैं घबरा गई। सोचा कि ऐसी क्या गलती हो गई, जो इतने समय साहब का कॉल आया है। फिर उन्होंने हालचाल पूछा। सामान्य बातचीत के बाद कॉल कट कर दिया। कुछ दिन बाद तहसीलदार काम करने सरकारी बंगले पर बुला लेते। यहां साफ-सफाई, खाना पकाने का काम करती थी।

प्रेम जाल में फंसाया, फिर डेढ़ साल तक रेप

एक दिन वह रसोई में आ गए। मुझे हाथ लगाने लगे। मैं घबराकर रोने लगी। कहा कि यह गलत है। उन्होंने कहा- मेरा भी दुनिया में कोई नहीं है। मैं तुम्हारा बुरा नहीं चाहूंगा। तलाकशुदा हूं। बीवी-बच्चे नहीं हैं। परेशान हूं। मुझे तुम्हारी मदद चाहिए। मैं भी तुम्हारी मदद करूंगा। बिना जवाब दिए मैं चली गई। दो-चार दिन तक टालती रही। फिर बोलने लगे कि तुम्हारी अनुकंपा नियुक्ति है। काम ज्यादा दे देंगे। छुट्टियां नहीं मिलेंगी। नौकरी से निकलवा दूंगा। जैसा मैं कहता हूं, वैसा करो। मेरे सामने दूसरी महिलाकर्मियों को बुरी तरह डांटा। यह देखकर मैं डर गई। सोचा, काम से निकाल दिया, तो क्या करूंगी। दबाव में फिर काम करने लगी। बोलचाल बढ़ने लगी। घर से परेशान थी। अकेली भी थी, तो बातों में आ गई।'

राजस्थान में मांग भरी, कहा-हम पति-पत्नी हो गए

'साल 2023 की शुरुआत में दोनों राजस्थान के कामखेड़ा गए। यहां राजेश सोरते ने मेरी मांग में सिंदूर भर दिया। कहा- आज से हम दोनों पति-पत्नी हो गए। कहा कि मेरा तलाक का केस चल रहा है। केस खत्म होने के बाद हम कोर्ट मैरिज कर लेंगे। इसके बाद रोजाना का मिलना हो गया। रात 12 बजे वह घर पर आते। सुबह चले जाते थे। कभी मैं उनके बंगले पर जाती थी। उनके सारे काम करती थी। घर में पत्नी की तरह रखा था। लोग भी बातें बनाने लगे। इसके बाद रोक-टोक शुरू कर दी। ड्यूटी के दौरान साड़ी नहीं पहनने देते थे। पहनावा भी बदल दिया था। एक बार सुनहरे बाल कर लिए, मेंहदी लगवा दी। इतने में जीरापुर ट्रांसफर हो गया, लेकिन पचोर नहीं छोड़ा। यहां कमरा किराए से ले लिया था। इसी कमरे में दोनों रुकते थे। वह अपडाउन करते थे।'

बगैर शादी दो बार करवा चौथ का व्रत भी कराया

पीड़ित ने कहा- 'ओंकारेश्वर फिर उज्जैन भी ले गए। दोनों जगह होटल में रुके। एक बार दिल्ली भी लेकर गए थे। उज्जैन से आते समय मक्सी के पास सरकारी रेस्ट हाउस में रुके थे। यहां भी संबंध बनाए। अगस्त 2023 में प्रमोशन के बाद डिप्टी कलेक्टर बनकर भोपाल चले गए। वहां से रोजाना रात में वीडियो कॉल कर अश्लील बातें करते थे। भोपाल गई तो होशंगाबाद रोड बायपास पर स्थित पुष्कर आकृति ईको सिटी पर बने ट्रंक क्रॉलिटी कॉटेज लेकर गए, जिसका रिकॉर्ड भी है। यहां दो से तीन दिन के लिए कमरा किराए पर लेते। डांस भी करवाते थे। चार से पांच बार भोपाल बुलाया। दो से तीन बार रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास किसी होटल में कमरा लिया। यहां दो से तीन रात काटते थे। कमरा किराए से लेते वक्त रजिस्टर में सिग्नेचर अपने करते थे, लेकिन आधार नंबर मेरा लगाते थे। कई बार खुद भी पचोर आते-जाते थे। बिना शादी किए दो बार अपने नाम का करवा चौथ व्रत भी करवाया था। जब भी शादी के बारे में कहती, तो टाल जाते थे।'

बेटे-बहू को पता चला तो उन्हें भी अपने झांसे में लिया

बेटा गांव में बहू के साथ रहता है। पिछले साल उसकी शादी की शॉपिंग भी कराई थी। हम दोनों के बारे में बेटे को भी पता चल गया। बेटे ने मना भी किया। गुस्से में उसने मारपीट भी की। डांटा भी, लेकिन मैं अड़ी रही। बेटा रोया, बहू भी विरोध में थी। बाद में राजेश सोरते ने बेटे-बहू को समझाया। कहा- मां गांव आती-जाती रहेगी। तुम भी आते रहना। आखिर में दोनों मान गए।

शक करते थे, इसलिए दिन भर वीडियो कॉल करते थे

महिला ने बताया- भोपाल से रोजाना करीब 15 से 20 बार वीडियो कॉल करते। बाजार में भी हूं, तो वीडियो कॉल करते। घर पर भी वीडियो कॉल करते। सभी कमरों में मोबाइल से दिखवाकर चेक करते कि कहीं कोई है तो नहीं। शक था कि मेरा किसी के साथ अफेयर तो नहीं। रात 2 बजे भी कॉल करते। यहां तक कि कई बार बाथरूम में एक से दो घंटे तक वीडियो कॉल पर बिना कपड़ों के बातें करते थे। पैर दबवाते थे। बात नहीं मानने पर मारपीट भी करते थे।

कहा था- जल्द शादी करेंगे, कुछ दिन बाद नंबर ब्लॉक किया

इसी साल फरवरी में एक दिन खाली स्टाम्प पेपर ले आए। उस पर मेरे और बेटे के साइन करवा लिए। कहा- मेरा तलाक हो गया है। डॉक्यूमेंट तैयार करना है। हम जल्द ही शादी कर लेंगे। इसके बाद कुछ दिन तक कॉल नहीं आया। मैंने कॉल किया, तो रिसीव नहीं किया। बाद में मेरा नंबर ब्लॉक कर दिया। भोपाल में मिलने गई, तो गलियों में घुमाकर वापस गाड़ी में बैठाकर रवाना कर दिया। बोले- पचोर आकर बात करेंगे, लेकिन वह नहीं आए। इसके बाद उनके बंगले पर और ऑफिस भी गई। यहां भी मिलने नहीं दिया गया। दिन-दिन भर इंतजार में भूखी-प्यासी पड़ी रहती थी। यहां रुकने का इंतजाम नहीं था, तो शाम को गांव लौटना पड़ता था। एक बार मिले, तो शादी से इनकार कर दिया। कहा- तेरी औकात नहीं है मुझसे शादी करने की।

15 दिन पहले मिली, समझौते का दबाव बनाया

करीब 15 दिन पहले राजेश सोरते अपने भाई के साथ रेस्ट हाउस आया था। यहां मुझे भी बुलाया और समझौते के लिए दबाव बनाया। दोनों ने धमकी दी कि दो से तीन लाख रुपए लेकर समझौता कर लो। तुम्हारी कोई नहीं सुनेगा। हम अफसर हैं, तो सब हमारी सुनेंगे। पटवारियों से दबाव बनवाने की कोशिश भी की, मैंने मना कर दिया। मैं शादी के लिए अड़ी रही। परेशान होकर एक बार फिनाइल पीकर सुसाइड की कोशिश भी की थी, लेकिन पड़ोसी ने रोक लिया। शादी का झांसा देकर मेरा इस्तेमाल किया, लेकिन अब मुकर गए, तब शिकायत की है।

डिप्टी कलेक्टर बोले- मैंने तो परिवार की मदद की थी

डिप्टी कलेक्टर राजेश सोरते ने बताया कि महिला आपराधिक बैकग्राउंड से है। मैंने परिवार की दयनीय स्थिति के नाम पर उसकी मदद की थी। वह क्या आरोप लगा रही है, मुझे इसकी जानकारी नहीं है।

मोदी जी कहते हैं कि यह लाल क़िताब ख़ाली है। वह हमारे संविधान को खोखला बताते हैं। वह ऐसा इसलिए कहते हैं क्योंकि उन्होंने ज़िंदगी में कभी इसे पढ़ा नहीं है।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

1.95 लाख महिलाएं बनेंगी भाजपा की बूथ समिति में मेंबर

भोपाल की अर्चना गोस्वामी बनी पहली महिला अध्यक्ष, 20 नवंबर तक होंगे चुनाव

न्यूज क्राइम फाइल

गुरुवार से मध्यप्रदेश में बीजेपी की बूथ समितियों के चुनाव शुरू हो गए हैं। 20 नवंबर तक प्रदेश के 65015 बूथों पर बूथ समितियों का गठन होगा। इन बूथ समितियों में 1 लाख 95 हजार महिलाओं को शामिल किया जाएगा। बूथ के चुनाव भी बीजेपी डिजिटल मोड पर करा रही है। यानि बूथ समिति के चुनाव की प्रक्रिया को पूरा करने के बाद बूथ अध्यक्ष से लेकर बूथ समिति की जानकारी संगठन एप पर तुरंत दर्ज कराई जा रही है।

अर्चना शर्मा एमपी में पहली बूथ अध्यक्ष बनीं

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भोपाल में हुजूर विधानसभा के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर कोलार मंडल के दानिश हिल्स क्लब हाउस, वार्ड-80 के बूथ क्रमांक-223 पर बूथ संगठन पर्व की शुरुआत कर खुद पन्ना प्रमुख बने। वीडी शर्मा की मौजूदगी में मध्यप्रदेश में इस बार के संगठन चुनाव में अर्चना गोस्वामी पहली बूथ अध्यक्ष चुनी गईं। अर्चना के साथ 11 पदाधिकारियों और सदस्यों को सहमति से चुना गया।

वीडी शर्मा बने पन्ना प्रमुख

पन्ना प्रमुख बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि, मैं आज गर्व महसूस कर रहा हूं कि मुझे मेरे बूथ

पर पन्ना प्रमुख की भूमिका मिली है। मैं सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर इस क्षेत्र को और मजबूती प्रदान करने की कोशिश करूंगा जो हमेशा भाजपा के साथ रहा है। संगठन पर्व के पहले चरण को कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश के साथ मनाया। दूसरे चरण में भी यह जोश कायम रहेगा, ऐसा मेरा विश्वास है। भारतीय जनता पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र है। इसलिए पूरी पारदर्शिता के साथ संगठन चुनाव संपन्न होते हैं।

बीजेपी की बूथ समिति

बीजेपी की बूथ समिति में एक बूथ अध्यक्ष के साथ कुल 12 सदस्य होंगे। इनमें तीन महिलाएं होंगी।

ऐसे होगा चुनाव

बीजेपी ने बूथ समितियों के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त किए हैं। इन्हें संगठन पर्व सहयोगी नाम दिया है। शक्ति केन्द्र स्तर पर संगठन सहयोगी यानि चुनाव अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। ये अपने शक्ति केन्द्र में आने वाले बूथों पर जाकर पार्टी की सदस्य लेने वाले सदस्यों की बैठक लेंगे और उनमें से बूथ समितियों के लिए नामों का चयन कराएंगे। बूथ अध्यक्ष के अलावा 5 और सदस्य सोशल मीडिया और टेक्निक फ्रेंडली होंगे। यानि वे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने के साथ ही मोबाइल और एप पर डेटा एंट्री करने में सक्षम हों।

बूथ अध्यक्ष के मोबाइल पर आएगा ओटीपी

बूथ समितियों के चुनाव प्रक्रिया को तुरंत डिजिटलाइज करने के लिए बूथ अध्यक्ष का चयन होने के बाद उनके नाम की एंट्री संगठन एप पर की जाएगी। जानकारी दर्ज होने के बाद नवनियुक्त बूथ अध्यक्ष के मोबाइल पर ओटीपी आएगा। ओटीपी वैरिफिकेशन के बाद अधिकारिक रूप से बूथ अध्यक्ष की जानकारी बीजेपी के पोर्टल पर दर्ज मानी जाएगी।

दिसंबर में होंगे मंडल और जिला अध्यक्षों के चुनाव

नवंबर महीने में बीजेपी की बूथ समितियों के गठन के बाद दिसंबर महीने में मंडल अध्यक्ष और जिला अध्यक्षों के चुनाव होंगे। मंडल और जिला अध्यक्षों के चुनाव से पहले पार्टी सदस्यता अभियान में अच्छा काम करने वाले अध्यक्षों की भी लिस्ट तैयार करा रही है। सदस्यता में अच्छा काम करने वाले पदाधिकारी अगली समिति में प्रमोट किए जाएंगे। शक्ति केन्द्र स्तर के कार्यकर्ता मंडल और मंडल में अच्छा काम करने वाले जिले की टीम में शामिल किए जा सकते हैं।

पटवारी बोले-बहना को पैसे दे रहे, जीजा को पिटवा रहे

न्यूज क्राइम फाइल

बुधनी और विजयपुर में हुए उपचुनाव के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष जीतू पटवारी गुरुवार को बीजेपी और प्रदेश सरकार पर अटैकिंग मोड में दिखे। उपचुनाव और इससे पहले हुई हिंसक घटनाओं पर उन्होंने कहा- केवल 1200 रुपए देकर लाड़ली बहना के वोट चाहिए। उसी लाड़ली बहना के पतियों को सरकार अपने गुंड़ों से पिटवाती है। आदिवासियों को गोलियां लगीं। अब जाटव बहुल गांवों को घेर-घेर कर मार रहे हैं और आग लगा रहे हैं।

पीसीसी चीफ ने गुरुवार दोपहर भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा-

भारतीय जनता पार्टी की हालत पागल हाथी जैसी हो गई है, वो मदमस्त है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा सिर्फ पॉलिटिक्स करने वहां गए और धरना दिया, इससे क्या मैसेज है? तांडव तुम करो, आतंक तुम्हारा, कर्मचारियों का दुरुपयोग तुम करो, भाजपा के गुंडे आदिवासियों पर गोलियां चलाएं। चुनाव के बाद गाली दे देकर जाटव समाज के लोगों को पीटा जा रहा है और प्रशासन मौन है। प्रशासन सहयोग कर रहा है। कल रात बाबा साहब अंबेडकर की मूर्ति को तोड़ दिया गया। यह भारतीय जनता पार्टी का मूल चाल, चेहरा, चरित्र है।

विजयपुर के 37 बूथ पर दोबारा मतदान की मांग

पीसीसी चीफ ने विजयपुर में लगभग 37 पोलिंग बूथों पर दोबारा मतदान कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विजयपुर

में कांग्रेस को 50000 वोट से जीतने की संभावना थी। अभी भी 25000 से ऊपर जीतेंगे। लेकिन, प्रशासन ने वहां पर बूथों पर कब्जा कर लिया। सेक्टर मजिस्ट्रेट को मारा गया। कर्मचारियों का उपयोग करके पुलिस अधिकारी वोट डलवा रहे थे। मजिस्ट्रेट पर हमला कर रहे हैं और पुलिस मौन बैठी थी। निर्वाचन आयोग के रुख की भी हम निंदा करते हैं। निर्वाचन कार्यालय ने बीजेपी को सपोर्ट करने की क्लियर कट पॉलिसी बना रखी थी।

गंभीर शिकायतों पर भी नहीं हुआ एक्शन

पटवारी ने कहा कि बुधनी और विजयपुर दोनों उपचुनाव में हमने लगभग 100 शिकायतें निर्वाचन आयोग से की। विजयपुर विधानसभा में जाति विशेष के लोगों को बीएलओ बनाने की पहली शिकायत की थी। फिर अति संवेदनशील बूथ बनाने को लेकर शिकायत की थी कि यहां पर गड़बड़ हो सकती है। सरकारी कर्मचारियों का जितना अमला चुनाव में लगा था, वन विभाग हो या स्वास्थ्य विभाग या रेवेन्यू, या फिर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हों या छोटे कर्मचारी सभी बीजेपी के एजेंट बनकर काम कर रहे थे। हमने इसकी भी शिकायत की थी। एक भी शिकायत पर एक्शन नहीं हुआ।

दलित विरोधी बीजेपी के खिलाफ आंदोलन का फैसला

पटवारी ने कहा कि हमने आशंका जताई थी कि गुंडे, बदमाश और डकैत चुनाव को प्रभावित कर सकते हैं, शिकायत भी की। इसके बाद भी प्रशासन ने सीमाएं सील नहीं की और गुंडों ने आदिवासियों, दलितों को पीटा और गोलियां चलाईं। कांग्रेस पार्टी ने निर्णय लिया है कि पूरे प्रदेश में इस दलित विरोधी बीजेपी के खिलाफ प्रदेश व्यापी आंदोलन किया जाएगा। भाजपा बाबा साहब अंबेडकर, लोकतंत्र और मताधिकार की विरोधी है। इस दौरान कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक जेपी धनोपिया राजीव सिंह भूपेंद्र गुप्ता मिथुन अहिरवार शैलेंद्र पटेल अपराजिता पांडे मौजूद थे।

आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के संदर्भ में पुणे प्रवास के दौरान आज पुणे में व्यापारी संघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

कार में फंसे 7 लोगों को बचाया...सीएम ने की बात

युवक को बताया एमपी का गौरव; 1 लाख रुपए इनाम देने की घोषणा की

न्यूज क्राइम फाइल

राजगढ़ जिले के ब्यावरा में ब्रेक चिपकने से तेज रफ्तार कार चार बार पलटी खाते हुए खंती में जा गिरी। हादसे के कारण कार के गेट लॉक हो गए। 7 लोग अंदर ही फंस गए। तभी वहां से गुजर रहे बाइक सवार युवक ने अपने हाथों से कार के कांच तोड़कर लोगों की जानें बचाईं। हादसा बुधवार को हुआ। गुरुवार को सीएम डॉ. मोहन यादव ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार से लौटने के बाद वीडियो कॉल के जरिए उस युवक वारिस खान से बात की। उन्होंने तारीफ करते हुए उन्हें एक लाख रुपए इनाम देने की घोषणा की।

युवक ने सीएम को दी जानकारी

वारिस खान ने सीएम डॉ. मोहन यादव को बताया कि मैं बाइक से बीनागंज जा रहा था। घोड़ा पछाड़ नदी के पास सामने से आ रही कार खंती में गिर गई। मैंने बिना देरी कर अपने हाथ से कार के कांच तोड़े और अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। वारिस खान प्लंबर का काम करते हैं। वह ब्यावरा के रहने वाले हैं।

15 अगस्त को कलेक्टर करेंगे सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वारिस के इस साहसी काम की तारीफ करते हुए कहा कि आपने बहुत

अच्छा काम किया है। मुसीबत के समय में एक-दूसरे की सहायता करना ही सच्ची मानवता है। आपके इस कार्य से सभी लोगों को प्रेरणा मिलेगी। आप मध्यप्रदेश के गौरव हैं। मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टर्स को 15 अगस्त पर लोगों की मदद करने वाले साहसी लोगों को सम्मानित करने के निर्देश दिए हैं।

शिवपुरी से भोपाल जा रहा था परिवार

बता दें, शिवपुरी के जवाहर कॉलोनी निवासी बुजुर्ग जगदीश प्रसाद शर्मा पुत्र चिंतालाल शर्मा को हार्ट संबंधी बीमारी है। वे बुधवार सुबह घर से भोपाल में डॉक्टर के पास जाने के लिए कार से निकले थे। कार बेटा राजेश शर्मा चला रहे थे। साथ में राजेश की पत्नी पूजा शर्मा और छोटे भाई की पत्नी ऋतु शर्मा, राजेश का बेटा राम शर्मा और दो छोटे बच्चे भी थे। एबी रोड हाईवे पर कार तेज रफ्तार दौड़ रही थी। आगे और पीछे कोई वाहन भी नहीं था। घोड़ा पछाड़ नदी से पहले अचानक से कार के ब्रेक चिपक गए। इससे राजेश ने कार से संतुलन खो दिया।

एमपी में मेडिकल कॉलेज में ट्रांसफर पर हाईकोर्ट की रोक

चीफ जस्टिस ने कहा- जो टीचर ऑटोनोमस में पदस्थ, वे दूसरी जगह नहीं जा सकते

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने प्रदेश के ऑटोनॉमस मेडिकल कॉलेज से सरकारी मेडिकल कॉलेज में फैकल्टी के रूप में ट्रांसफर पर रोक लगा दी है। कोर्ट के इस निर्णय को प्रदेश में स्वास्थ्य शिक्षा में सुधार के लिए बेहद अहम बताया जा रहा है। हाईकोर्ट ने ऑटोनॉमस मेडिकल कॉलेज की फैकल्टी के ट्रांसफर पर दायर की गई अपील को डिवाइड ऑफ मेरिट (योग्यता का विभाजन) करार देते हुए खारिज कर दिया। एमपी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कैत और जस्टिस एसए धर्माधिकारी की डबल बैंच ने राज्य सरकार को फटकार भी लगाई। कहा- यदि भविष्य में ऐसे ट्रांसफर किए गए तो इसे हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना माना जाएगा। इंदौर की ऑटोनॉमस फैकल्टी डॉ. शिवनारायण लहरिया, डॉ. रोहित मन्याल, डॉ. अजय भट्ट और डॉ. भारत सिंह और भोपाल से डॉ. सुबोध पांडे, डॉ. जूही अग्रवाल समेत कई डॉक्टर्स का ट्रांसफर करते हुए उन्हें सरकारी मेडिकल कॉलेज नीमच और मंदसौर

भेज दिया गया था। सरकार के इस निर्णय को हाईकोर्ट (इंदौर) में चुनौती दी गई। कोर्ट की सिंगल बैंच ने ट्रांसफर ऑर्डर खारिज कर दिया। सिंगल बेंच के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार ने डबल बेंच में याचिका लगाई थी।

यह था मामला

डॉ. शिवनारायण लहरिया इंदौर मेडिकल कॉलेज में पोस्टेड हैं। उनका ट्रांसफर अन्य जगह हुआ, जिस पर वे हाईकोर्ट गए और यहां से 26 जुलाई को आदेश हुआ और उनका ट्रांसफर ऑर्डर निरस्त किया गया। इसके बाद मध्यप्रदेश शासन अपील में गया। जब पहले ही इस मामले में एक नहीं और भी फैसले आ चुके हैं और साफ है कि मेडिकल कॉलेज में एक जगह से दूसरी जगह पर ट्रांसफर नहीं हो सकते हैं, फिर यह क्यों अनावश्यक अपील की गई है। इस तरह से बेवजह शोषण किया जा रहा है और इसके चलते याचिकाएं लग रही हैं। इसमें याचिकाकर्ता ने यह मांग भी की थी कि बार-बार ट्रांसफर ऑर्डर हो रहे हैं, ऐसे में शासन पर हैवी कॉस्ट लगाई जाए। इस पर हाईकोर्ट ने कहा- हालांकि, हम कॉस्ट नहीं लगा रहे हैं, लेकिन हम यह साफ कर रहे हैं कि यदि फिर इस तरह के ऑर्डर पास हुए तो संबंधित अथॉरिटी को अवमानना झेलना होगी।

मेडिकल कॉलेज प्रोफेसर ने दिया ऑटोनोमस होने का हवाला

फैकल्टी का कहना है कि मेडिकल कॉलेज ऑटोनोमस बॉडी है। उनकी नियुक्ति ऑटोनोमस बॉडी में हुई है। ऐसे में उनका ट्रांसफर अन्य जगह नहीं हो सकता है। जब शासन कहीं और कॉलेज खोलता है, तो फैकल्टी की कमी को पूरा करने के लिए वह फैकल्टी को यहां से वहां करता है, जो नियम के विरुद्ध है।

प्रदेश के मेडिकल कॉलेज में कोई भी सीट खाली न रहे

सीपीएस डिप्लोमा पाठ्यक्रम की 92 सीट में से 32 सीट को 2022-23 में समाप्त कर दिया गया। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस एसए धर्माधिकारी की बेंच ने गुरुवार को इस संबंध में फैसला दिया। उन्होंने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि भविष्य में यदि किसी भी मेडिकल कॉलेज में किसी भी पाठ्यक्रम में कोई भी सीट खाली रहती है तो यह अदालत की अवमानना होगी।

महायुति ने महाराष्ट्र के विकास और जनता के कल्याण के कई अभूतपूर्व कार्य किए हैं। जनता का अटूट विश्वास भारतीय जनता पार्टी और महायुति पर है।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

कुत्ता भी ना पेशाब करेगा औरंगजेब की पहचान पर

अब तो तिरंगा लहराएंगे पूरे पाकिस्तान पर: देवेंद्र

नागपुर में कन्हैया कुमार बोले- धर्म सब मिलकर बचाएंगे

फडणवीस बोले- अरे ओ ओवैसी सुन ले

आज कल तो औवेसी भी यहां आने लगा है। मेरे हैदराबादी भाई, तू यहां मत आ। तू उधर ही रह, क्योंकि यहां तेरा कोई काम नहीं है। महाराष्ट्र में आकर कोई औरंगजेब का महिमामंडन कर रहा है। भारत का सच्चा मुसलमान औरंगजेब को अपना हीरो नहीं मानता। औरंगजेब तो आक्रमणकारी था। सुन ले औवेसी...कुत्ता भी ना पेशाब करेगा औरंगजेब की पहचान पर। अब तो तिरंगा लहराएंगे पूरे पाकिस्तान पर। लोकसभा चुनाव खराब प्रदर्शन को लेकर फडणवीस ने रैली में कहा- महाराष्ट्र में हम सोए हुए थे। हम इनके वोट जिहाद को समझ नहीं पाए, लेकिन अब हम वोटों से ऐसा धर्मयुद्ध लड़ेंगे, जिससे गीदड़ों को समझ आ जाएगा कि उनका काम खत्म हो गया है। कांग्रेस के लोग बरसाती मेंढक हैं। चुनाव के दौरान ये घोषणापत्र ले कर आते हैं। पिछले चुनाव में राहुल गांधी ने कहा था झोपड़पट्टी वालों को घर देंगे। इनकी 2.5 साल सरकार थी। इन्होंने वादा पूरा नहीं किया। कल इन्होंने फिर से घोषणापत्र जारी किया है। उसमें ये लोग झोपड़पट्टी वालों के बारे में भूल गए। ये साधारण चुनाव नहीं है। हम किसी धर्म के खिलाफ नहीं है। हमने कभी धर्म की बात नहीं की। हमने सभी जाति और धर्मों के लिए योजनाएं लाई। अगर यहां कोई वोटों जिहाद की बात करेगा तो उसे हम वोटों के धर्मयुद्ध से जवाब देंगे। 2010 से 2024 तक जितने दंगे हुए हैं, उनमें शामिल मुसलमान आरोपियों को छोड़ने की डिमांड रखी गई। दंगों में शामिल लोग देश को तहस-नहस करते हैं। ऐसे लोगों को छोड़ने का डिमांड को MVA मंजूर करने की बात कहता है। ये बात स्ङ्क को मंजूर होगी, लेकिन देश को स्वीकार नहीं है।

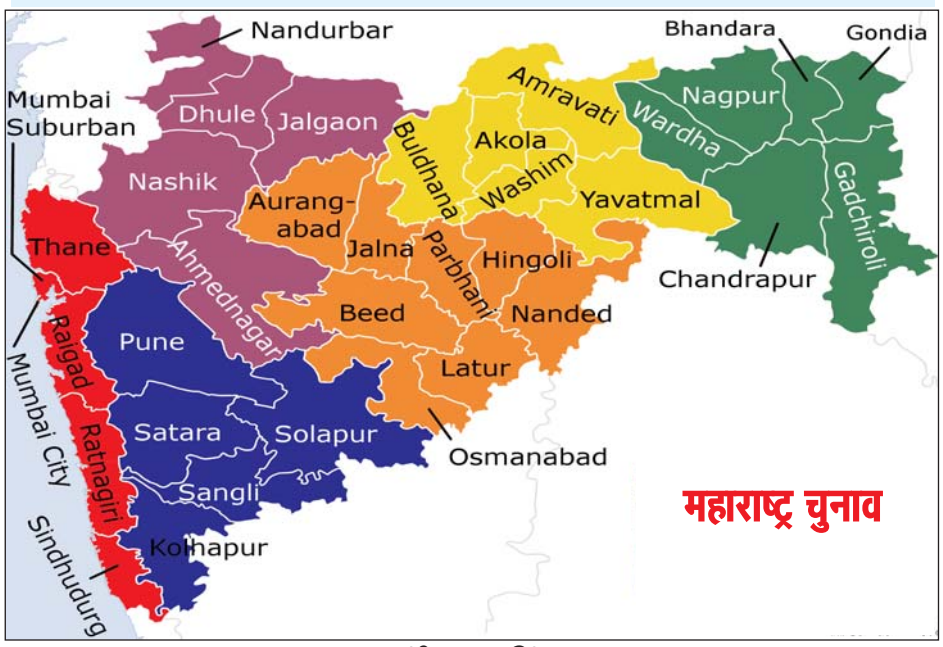

संदीप कुमार सिंह

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने गुरुवार को महाराष्ट्र के नागपुर में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के धर्मयुद्ध वाले बयान का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जो नेता धर्म बचाने की बात कहे, उससे पूछिए कि ऐसा तो नहीं होगा न कि धर्म बचाने की जिम्मेदारी हमारी होगी और ऑक्सफोर्ड-कैम्ब्रिज में पढ़ने की जिम्मेदारी आपके बच्चों की होगी। अगर धर्म बचाना है तो सब मिलकर बचाएंगे। ऐसा तो नहीं होगा न कि हम धर्म बचाएंगे और डिप्टी सीएम की पत्नी इंस्टाग्राम पर रील्स बनाएंगीं। दरअसल, फडणवीस ने 9 नवंबर को औरंगाबाद में कहा था कि राज्य में अब वोट जिहाद शुरू हो गया है। अगर वे वोट जिहाद कर रहे हैं, तो हमें %धर्म-युद्ध% के लिए तैयार रहना चाहिए।

ऐसा नहीं होगा कि हम धर्म बचाएं और डिप्टी सीएम की पत्नी कन्हैया कुमार: इंस्टग्राम रील्स बनाएं

इस देश का नागरिक होने के नाते लोकतंत्र को बचाना हमारा धर्म है। जिस लोकतंत्र के चलते आज मैं यहां खड़े होकर भाषण दे रहा हूं, उसकी रक्षा करना मेरा धर्म है। अगर यह धार्मिक युद्ध है और धर्म की रक्षा दांव पर है, तो जो भी नेता आपके सामने धर्म बचाने की बात कहता है, उस नेता से एक सवाल पूछना चाहिए- एक्सक्यूज मी सर, आप धर्म बचाना चाहते हैं, बस एक बात बता दीजिए, इस धर्म बचाने की लड़ाई में आपके बेटा-बेटी भी हमारे साथ चलेंगे न? ऐसा तो नहीं होगा न कि धर्म बचाने की जिम्मेदारी हमारी और ऑक्सफोर्ड-कैम्ब्रिज में पढ़ने की जिम्मेदारी आपके बच्चों की। अगर धर्म बचाना है तो सब मिलकर बचाएंगे। ऐसा तो नहीं होगा न कि हम धर्म बचाएंगे और डिप्टी सीएम की पत्नी इंस्टाग्राम पर रील्स बनाएंगीं। यही बात मैंने भाजपा के एक दोस्त को हीं। मैंने कहा दोस्त धर्म बचाना है। तो चलो, नेताओं के बच्चे भी धर्म बचाएंगे। तो मेरा दोस्त बोला कि मोदी जी और योगी जी को बेटा-बेटी नहीं हैं। मैंने कहा- भतीजा है न, वो चलेगा न हमारे साथ धर्म बचाने के लिए। हम इस होशियारी को समझने लगे हैं। बाबा साहेब अंबेडकर ने कहा संगठित हो, शिक्षित हो, संघर्ष करो। हमने आपका नमक खाया है, आपके टैक्स के पैसे से हमने पढ़ाई की है, आंख फोड़कर हमने पीएचडी की है। अब हमको ये सियासत समझ में आती है, ये खेल समझ में आता है। उनके बच्चे BCCI में IPL में टीम बना रहे हैं, और हमें ष्ठद्गद्गद्ग 11 पर टीम बनाने को कहा जा रहा है। क्रिकेटर बनने के सपना दिखा के जुआरी बना दिया है। अब हमें समझ में आ रहा है कि देश में चल क्या रहा है। चल ये रहा है कि हम भारत के लोग बहुत भावुक होते हैं, हमारी भावनाओं को भड़का के, हमारी भावनाओं का गलत इस्तेमाल करके हमसे हमारा अधिकार छीना जा रहा है।

फडणवीस के बयान पर ओवैसी बोले- लोकतंत्र में वोट जिहाद और धर्मयुद्ध कहां से आया

फडणवीस के धर्म युद्ध वाले बयान पर ओवैसी ने 10 नवंबर को छत्रपति संभाजीनगर में एक जनसभा में कहा, हमारे पूर्वजों ने अंग्रेजों के खिलाफ जिहाद किया और अब फडणवीस हमें जिहाद के बारे में सिखा रहे हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह, और देवेंद्र फडणवीस मिलकर भी मुझसे बहस में जीत नहीं सकते। लोकतंत्र में वोट जिहाद और धर्मयुद्ध की बातें कहां से आ गईं? आपने विधायकों को खरीदा, तो क्या हम आपको चोर कहें? यहां फडणवीस जिहाद की बात कर रहे हैं, जबकि उनके आदर्श अंग्रेजों को प्रेम पत्र लिख रहे थे, जबकि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने विदेशी हुक्मरानों से कभी समझौता नहीं किया।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623